# Girls' High School & College, Prayagraj

## Worksheet No. 3

## Session 2020-21

## Class-4 A-F

## Subject- Hindi

## Topic - गुरु नानक देव

**निर्देश: अभिभावकों से अनुरोध है कि नीचे लिखे पाठ के गद्यांश को पढ़कर बच्चों से प्रश्नों के उत्तर लिखवाएं तथा याद करवाएं**

**गुरु नानक एक बार चलते-चलते हरिद्वार की तरफ पहुँच गए। उन्होंने देखा कि कुछ लोग गंगा में स्नान कर रहे हैं और सूर्य देवता की तरफ देखकर उनको जल चढ़ा रहे थे। गुरु जी तुरंत नदी में चल दिए और पश्चिम दिशा की ओर मुँह करके अपने दोनों हाथों में जल लेकर चढ़ाने लगे। इस पर लोगों ने पूछा कि तुम यह क्या कर रहे हो। गुरु जी बोले- "मैं अपने खेतों को जल दे रहा हूँ। तब लोगों ने पूछा "क्या यह जल आप के खेतों तक पहुँच जाएगा" तो इस पर गुरुजी बोले, कि जब आपके द्वारा चढ़ाया गया जल सूर्य देवता के पास पहुँच जाता है तो मेरे द्वारा चढ़ाया गया जल मेरे खेतों तक भला कैसे नहीं पहुँचेगा ?**

**एक बार वह मुसलमानों के तीर्थ मक्का मदीना स्थान पर पहुँच गए| वहाँ वह लेटे हुए थे, इस समय उनके पाँव काबा की ओर थे| इस पर वहाँ के हाजी बोले कि तुम अपने पाँव यहाँ से हटाकर दूसरी ओर कर लो| इस पर गुरुजी बोले कि ठीक है, जहाँ तुम्हारा काबा न हो, तुम मेरे पाँव उधर की ओर कर दो। उसने गुरु जी के पाँव उठाकर दूसरी ओर कर दिए| वह काजी जिस तरफ भी गुरु जी के पाँव करता, उसी तरफ काबा दिखाई देने लगता| अंत में वह काजी हार मान गया और गुरु जी के पाँव में गिर पड़ा|**

**गुरु नानक सिख संप्रदाय के पहले गुरु थे। इनके बाद सिखों के 9 गुरु और भी हुए। गुरु-ग्रंथ में व्यक्ति के कल्याण के विषय में लिखा गया है। गुरु नानक का नाम बहुत ही विशाल है।**

**गुरु गोविंद जी ने खालसा पंथ की नींव रखी, जो एक नए युग के लिए आशा भक्ति व बलिदान की ज्योति के लिए हुई थी।**

**उस दिन पंच प्यारों ने, जो कि विभिन्न जाति और प्रदेशों से थे उन्होंने गुरुजी की माँग पर अपने आप को बलिदान कर देने की मंशा सामने रखी।**

**पंच प्यारे का अर्थ है- सेना के पांच प्यारे सैनिक| उन्होंने इन्हें खालसा नाम भी दिया जिसका अर्थ है शुद्ध। इनके मतानुसार खालसा गुरु है और गुरु ही खालसा | अर्थात तुम में और मुझ में कोई अंतर नहीं है। इतना सुनना था कि अनेक लोगों ने भी इस धर्म को अंगीकार किया |**

**इस खालसा पंथ को निम्न जाति और समाज से निलंबित लोगों ने स्वीकार किया क्योंकि इसके द्वारा उन्हें समाज की कुरीतियों व झूठे आडम्बरों से बचने की आशा की किरण दिखाई दी थी |**

**सन् 1999 के 13 अप्रैल के दिन इस खालसा पंथ के 300 वर्ष पूरे हुए, इस दिन आनंदपुर साहिब को रोशनी से जगमगा कर और करोड़ों सिखों ने अरदास करके इस दिन की याद को दोहराया |**

**<u>शब्दार्थ</u>** संप्रदाय -जात-पात, बलिदान-त्याग, अरदास-प्रार्थना, काबा-मुसलमानों का पवित्र स्थान |

**Q1. रिक्त स्थान भरिए-**

**1. गुरु नानक मुसलमानों के तीर्थ ..... स्थान पर पहुँच गए |**

**2. गुरु नानक का नाम बहुत ..... है |**

**3. ..... में व्यक्ति के कल्याण के विषय में लिखा गया है|**

**4. एक बार गुरु नानक चलते- चलते ..... पहुँच गए|**

**Q2. सही कथनों के आगे सत्य तथा गलत कथनों के आगे असत्य लिखिए-**

**1. गुरु नानक जी के बाद सिखों के दो गुरु और भी हुए|** ( )

**2. खालसा पंथ को निम्नजाति और समाज से निलंबित लोगों ने स्वीकार किया|** ( )

**3. 13 अप्रैल सन् 1999 के दिन खालसा पंथ के 400 वर्ष पूरे हुए|** ( )

**Q3. एक शब्द में उत्तर दीजिए-**

**1. सिख संप्रदाय के पहले गुरु कौन थे ?**

.....

**2. गुरु नानक जी किस ओर पाँव करके लेटे थे ?**

.....

**3. सभी लोग किस को जल चढ़ा रहे थे ?**

.....

**4. अंत में कौन हार मान गया ?**

.....

**5. गुरु नानक चलते चलते कहाँ पहुँच गए** ?

.....

**6. खालसा शब्द का क्या अर्थ है** ?

.....

**Q4. लघु उत्तरीय प्रश्न**-

**1. हाजी गुरु नानक जी पर क्यों क्रोधित हुए** ?

.....
.....

**2. खालसा पंथ की नींव किसने और क्यों रखी** ?

.....
.....

***.....End.....***